संक्षिप्त

अवकाशों में मनमानी कटौती का विरोध

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत कुमार खराडी ने कहां कि शिक्षा विभाग द्वारा ग्रीष्मावकाश में कटौती करने की कडी आलोचना करते है। विभाग द्वारा यह निर्णय राजस्थान की भौगोलिक परिस्थिति और जून के अंत तक पडने वाली भयंकर गर्मी को जानबूझकर नजरअंदाज करके लिया है। विभाग का यह फैसला बालकों को संकट में डालने वाला और शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात है। इसी प्रकार विभाग द्वारा अन्य अवकाशों में मनमाने ढंग से की गई कटौती निंदनीय है। विभाग ने अन्य मुद्दों पर अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए शिक्षण समय बढाने और शिक्षा की गुणवत्ता बढाने के नाम पर विभाग ने यह गलत निर्णय लिया है,जबकि विद्यार्थियों का शिक्षण समय बढाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक है कि शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों से पूर्णतया मुक्त किया जाएए नई नियुक्तियों तथा पदोन्नति से समस्त खाली पदों को अविलंब भरा जाए,शिक्षकों को मोबाइल से पूर्णतः मुक्त रखते हुए ऑनलाइन कार्यों के लिए प्रत्येक विद्यालय में अलग से स्टाफ की व्यवस्था की जाएए प्रत्येक विद्यालय में सफाई-कर्मी व सहायक कर्मचारी नियुक्त किये जायेंए पर्याप्त भौतिक संसाधन उपलब्ध करवाए जाएं। विशेष रूप से यह ध्यान रखा जाए कि शिक्षण मशीनी कार्य नहीं है और इसलिए शिक्षकों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार बंद किया जाए।

ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्यवाही की मांग

डूंगरपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत थाना के ग्राम मालाखेडा मेन बस स्टैंड के पास स्थित वाटर वर्क्स के सार्वजनिक हैंडपंप जो काफी समय से बंद हैं पडा था। जिसे समस्त ग्रामवासी ने पानी की किल्लत होने की वजह से उसे ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र विभाग को प्रस्तुत की थी, जिसे विभाग द्वारा रिपेयर करवाने के लिए सरकारी मिस्त्री भेजे गए। यह हैंडपंप मालिखेडा बस स्टैंड पर बिलानाम भूमि पर स्थित है। लेकिन उसी गाँव का हकरा पुत्र धूलेश्वर गमेती हैंडपंप रिपेयर नहीं होने दे रहा है और रिपेयर करने पर बार बार पत्थर और कटीली झाडियों से ढक देता है यहीं नहीं विभागीय कर्मचारियों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट पर उतारू हो गया जबकि यह हैंडपंप आनेजाने वाले ग्रामीणों तथा ग्राम वासियों के लिए पेयजल किल्लत से राहत दिलाता है।

बदलते समय में शिक्षक बनें राष्ट्र निर्माण के पथ प्रदर्शक : गुलाबचन्द कटारिया

बांसवाड़ा, (निसं)। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा, जब शिक्षक अपने दायित्व को समयानुकूल रूप में आत्मसात करेंगे। उक्त उद्गार पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने जीजीटीयू में आयोजित विकसित भारत के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पद से व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज का युग ज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है, जहां जानकारी तक पहुंच सहज हो गई है। ऐसे में शिक्षक की भूमिका पारंपरिक ज्ञानदाता से आगे बढ़कर मार्गदर्शक, प्रेरक और चरित्र निर्माता की हो गई है।

शिक्षक अब केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में चिंतन, सृजन और निर्णय क्षमता विकसित करने वाले शिल्पकार हैं। राज्यपाल कटारिया ने भारतीय संस्कृति में शिक्षक के चिरंतन सम्मान का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। शिक्षक केवल वर्तमान को नहीं गढ़ता, बल्कि भविष्य की दिशा निर्धारित करता है। उनका कार्य पीढ़ियों को प्रभावित करता है और यही कारण है कि समाज में शिक्षक का सम्मान केवल औपचारिक नहीं, बल्कि आंतरिक श्रद्धा का विषय है। कटारिया ने कहा कि शिक्षक का कार्य केवल पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का पवित्र दायित्व है। यदि शिक्षक अपनी भूमिका को समर्पण और नवाचार के साथ निभाएं तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से समय से पूर्व प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने महान संत एवं जननायक गोविंद गुरु के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा को केवल साक्षरता तक सीमित नहीं रखा बल्कि उसे सामाजिक चेतना और आत्मसम्मान का माध्यम बनाया। सम्प सभा के माध्यम से उन्होंने जनजातीय समाज में अनुशासन, स्वावलंबन और नैतिक मूल्यों की स्थापना की। उनके प्रयासों ने समाज को नई दिशा दी जो आज भी प्रेरणास्त्रोत है। राज्यपाल कटारिया ने बताया कि गोविंद गुरु के आदर्शों को केंद्र में रखकर वर्ष 2016 में तत्कालीन राज्य सरकार में सक्रिय रहते हुए उदयपुर से विश्वविद्यालय स्थानांतरित करते हुए गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय नाम करने का उद्देश्य जनजातीय अंचल के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और नवाचार के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने हर्ष व्यक्त किया की विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है बल्कि सामाजिक परिवर्तन और क्षेत्रीय विकास का माध्यम भी बन रहा है। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को शिक्षा क्षेत्र मेंयुगांतरकारी पहल बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, कौशल और उद्यिमता की ओर अठासर करती है। उन्होंने शिक्षकों से आ ान किया कि वे स्वयं को निरंतर अद्यतन रखें और नई शिक्षण पद्धितयों को अपनाते हुए विद्यार्थियों को जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर बनने के लिए प्रेरित करें। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो केशव सिंह ठाकुर ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन, शोध एवं डिजिटल नवाचार के प्रयासों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिठी प्रदान करने का केंद्र नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। कुलगुरु ने शिक्षकों की भूमिका को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए चरित्र निर्माण, नवाचार और भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वय पर विशेष जोर दिया। संचालन निदेशक शोध प्रो.नरेन्द्र पानेरी ने किया जबकि आभार कुलसचिव कश्मी कोर ने माना। कार्यक्रम में गढ़ी विधायक कैलाश मीना, संत रामस्वरूप महाराज, पूर्व मंत्री भवानी जोशी, पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद धनसिंह रावत, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हकरु मईडा, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल, मुकेश रावत, जय गिरिराज सिंह, सुनील दोसी सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी व विश्वविद्यालय से वित्त नियंत्रक उदय सिंह, प्रो. राजेश जोशी, प्रो. प्रमोद वैष्णव,प्रो शफकत राना डॉ. राकेश डामोर, डॉ. लोकेन्द्र कुमार, डॉ. अर्पित पाठक आदि मौजूद रहे।

जीजीटीयू में विकसित भारत के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया।

47 छात्राओं को बालिकाओं को साइकिलें बांटी

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के श्री किशनलाल गर्ग राउमावि में मुख्यमंत्री निःशुल्क साइकिल योजना के तहत कक्षा नवमी की 47 छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं।

कार्यक्रम विधायक प्रत्याशी बंसीलाल कटारा के मुख्य आतिथ्य, पीटीए अध्यक्ष प्रकाश पंचाल की अध्यक्षता एवं एसडीएमसी सदस्य मुकेश श्रीमाल, नयन सुथार, अनुराग कटारा, राजकुमारी कुम्हारए निलेश पटेल, लक्ष्मण कोटेड, रमेश घोघरा, उमेश भणात व चिराग व्यास के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। प्रारंभ में विद्यालय की प्रधानाचार्या भारती पंचाल ने आगंतुक अतिथियों, अभिभावकों व साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं का स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि कटारा ने अपने उद्बोधन में बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के सरकारी स्कूलों में पढने वाली छात्राओं को प्रोत्साहन और शिक्षा जारी रखने हेतु निःशुल्क साइकिल वितरण योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत मुख्य रूप से कक्षा नवमी की छात्राओं को लाभान्वित किया जा रहा है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रकाश पंचाल ने कहा कि राजस्थान साइकिल वितरण योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं की ड्रॉपआउट दर को कम करना और उच्च शिक्षा के लिए उन्हें प्रेरित करना है। कार्यक्रम में मुख्य प्रभारी लता पंड्या, प्रथम सहायक व उपाचार्य विनय चौबीसा, एसडीएमसी सचिव डॉ. धीरज टेलर, राजेश कटारा, दिलीप परमार, शंकरलाल यादव,चंद्रशेखर रावल, लीना उपाध्याय, सुमित्रा मीणा, रंजिता भटेवरा, बेला जैन, विजयश्री जैन, स्वाति चौबीसा, आशीष रोत, सुदर्शन जैन, सुषमा शर्मा,हरिसिंह सिसोदिया, नीरज चौबीसा व सूरज बाई मौजूद रहे।

10 वर्ष से वाणिज्य, 5 वर्ष से विज्ञान संकाय के नहीं हैं व्याख्याता

भीण्डर, (निसं)। उदयपुर जिले के भीण्डर उपखण्ड मुख्यालय का एकमात्र सरकारी विद्यालय, जहां सभी संकायों के साथ-साथ विभिन्न विषय पढ़ने का केन्द्र बिंदू भैरव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के हालत विकट स्थिति में है। यहां पिछले 10 वर्ष से वाणिज्य संकाय एवं 5 वर्ष से विज्ञान संकाय में व्याख्याताओं के पद रिक्त पड़े हुए है। कुल स्वीकृत 45 में से 22 पद रिक्त होने के कारण दिन-प्रतिदिन शिक्षा व्यवस्था चरमरा रही है। पिछले सत्र में तृतीय श्रेणी अध्यापक व विज्ञान प्रयोगशाला सहायकों की मदद से बच्चों की शिक्षा पूर्ण करवा करके बोर्ड परिणाम शत-प्रतिशत दे दिया, लेकिन विद्याथियों की संख्या वर्ष दर वर्ष घट रही है। पिछले 10 वर्ष में नामांकन में 35 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

भीण्डर उपखण्ड क्षेत्र में सरकारी विद्यालय में वाणिज्य संकाय संचालित करने वाला एकमात्र विद्यालय में लेखाशास्त्र, व्यवसायिक शिक्षा व अर्थशास्त्र तीनों विषयों के व्याख्याता के पद रिक्त है। जिसमें अर्थशास्त्र विषय के व्याख्याता का पद 10 वर्ष से रिक्त चल रहा है तो लेखाशास्त्र विषय का 4 वर्ष से, व्यावसायिक शिक्षा का 2 वर्ष से पद रिक्त है। इसके चलते राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय डाबियों का खेड़ा के तृतीय श्रेणी शिक्षक भोलेश चौबीसा पिछले दो वर्ष से लगातार तीनों ही विषयों का अध्ययन करवा करके बच्चों का परिणाम शत-प्रतिशत रख रहे है। विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान विषय के व्याख्याताओं के पद रिक्त चल रहे है। जिसमें रसायन विज्ञान का 4 वर्ष से, भौतिक विज्ञान का 3 वर्ष से एवं जीव विज्ञान का 2 वर्ष से पद रिक्त चल रहा है। विज्ञान संकाय में केवल गणित व कृषि विज्ञान के व्याख्याता कार्यरत्त है। रिक्त व्याख्याताओं के विषयों की शिक्षा की जिम्मेदारी गणित व्याख्याता भेरूलाल व कृषि विज्ञान व्याख्याता लोकेश कुमार के साथ लेब सहायक ताराचंद सारन, रोहित कुमार एवं जीवनपाल सिंह ने संभालते हुए 12 वीं बोर्ड में अध्ययनरत्त 72 में से 72 विद्यार्थी उत्तीण होकर परिणाम शत-प्रतिशत रखा है। कला संकाय में वर्तमान में संस्कृत, इतिहास, उर्दू विषयों के व्याख्याताओं के पद रिक्त है। जिसमें संस्कृत विषय का 4 वर्ष से, उर्दू विषय का 5 वर्ष से, इतिहास विषय का 3 वर्ष से पद रिक्त चल रहा है। वहीं वर्तमान में राजनीतिक विज्ञान में सुरेश कुमार चौबीसा व पवनपुत्र मौर्य, भूगोल विषय में पंकज चौबीसा, हिंदी साहित्य में कल्पना दोशी, चित्रकला में इंदू नागदा व्याख्याता पद पर कार्यरत्त है।

भीण्डर क्षेत्र का सबसे पूराना और सभी संकायों का एकमात्र भैरव राउमावि में पिछले 10 वर्ष में नामांकन में 35 प्रतिशत की गिरावट आई है। जहां पर वर्ष 2016-17 में यहां 651 बच्चे अध्ययनरत्त थे वहीं 2025-26 में केवल 420 बच्चे ही रह गये है। जबकि पिछले 10 वर्षों में यहां कक्षा एक से 12 तक कक्षाएं संचालित होने लगी है। जबकि उससे पहले यहां केवल 9 वीं से 12 वीं तक की कक्षाएं संचालित होती थी और उसमें भी 800 से 1000 बच्चे यहां अध्ययन करते थे। लेकिन लगातार सरकार की अनदेखी के चलते यहां नामांकन की संख्या कम होती जा रही है।

भैरव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वर्तमान में कुल स्वीकृत 45 में से 22 पद रिक्त है। वहीं 4 व्याख्याताओं का उप प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नित हो चुकी हैं, जिस दिन सरकार काउंसलिंग करवायेगी, उस ये चारों पद भी रिक्त हो जायेंगे। वर्तमान में व्याख्यता के 10 पद रिक्त हैं जिसमें जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, लेखाशास्त्र, व्यवसाय अध्ययन, अर्थशास्त्र, अंठोली, इतिहास, संस्कृत, उर्दू के पद रिक्त है। वहीं वरिष्ठ अध्यापक में संस्कृत, स्पेशल शिक्षा, तृतीय श्रेणी शिक्षक, शारीरिक शिक्षक, लेब बॉय के तीन, चतुर्थश्रेणी कर्मचारी के दो पद, कार्यालय सहाकय का एक पद रिक्त चल रहा है।

प्रकाश वया, शिक्षाविद् भीण्डर ने बताया कि उदयपुर जिले का सबसे बड़ा सरकारी विद्यालय हैं, यहां किसी जमाने में 2000 बच्चें अध्ययन करते थे और सैकड़ों अध्यापकों की नियुक्ति थी। लेकिन वर्तमान में यहां व्याख्याताओं की कमी से जुझ रहा है। उपखण्ड मुख्यालय का विद्यालय होने के कारण सरकार को इस विद्यालय में सभी पद भरने चाहिए ताकि ग्रामीण क्षेत्र का कोई भी बच्चा किसी भी संकाय में आकर यहां प्रवेश ले सकें। भौतिक संसाधन रूप से विद्यालय में 50 कमरे उपलब्ध हैं लेकिन मानव संसाधन के रूप से यहां 22 पद रिक्त हैं, जिसमें भवन की देखभाल करने वाला एक भी चतुर्थश्रेणी कर्मचारी नहीं है।

उदयलाल डांगी, विधायक वल्लभनगर ने बताया कि भैरव राउमावि में रिक्त पदों को भरने के लिए शिक्षा मंत्री को पत्र भेज रखा है। इस बार पुनः अवगत करवा करके रिक्त पदों को भरने का प्रयास करूंगा। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार बेहतर प्रयास कर रही हैं जिसका परिणाम देखने को मिल रहा है। इस बार मार्च माह में ही बोर्ड के परिणाम घोषित हो गये और एक अप्रैल से सत्र शुरू हो चुके है। मुझे विश्वास हैं कि विधानसभा क्षेत्र में जिन विद्यालयों में पद रिक्त और अन्य समस्याएं हैं उनको सरकार जल्द हल कर देगी।

उपनिरीक्षक-प्लाटून कमांडर संयुक्त भर्ती प्रतियोगी परीक्षा आज से

उदयपुर, (कासं)। उप निरीक्षक-प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2025 का आयोजन 5 और 6 अप्रैल को होगा।परीक्षा के लिए उदयपुर में 105 सेंटर बनाए गए हैं,जहाँ एक लाख से अधिक अभ्यार्थी परीक्षा में भाग लेगे। परीक्षा दो शिफ्टों में रखी गई है।

पहली शिफ्ट सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी,जिसमें सामान्य हिंदी का पेपर होगा। दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी, जिसमें सामान्य ज्ञान और सामान्य विज्ञान का पेपर होगा। रविवार और सोमवार दोनों दिन यही टाइम टेबल रहेगा।परीक्षा समन्वयक और एडीएम(प्रशासन) दीपेंद्र सिंह राठौड ने बताया कि उदयपुर में कुल 105 सेंटर बनाए गए हैं, जिनमें 36 सरकारी और 69 निजी स्कूल.कॉलेज शामिल हैं। इन सेंटर्स पर करीब 1 लाख 32 हजार 628 अभ्यर्थी परीक्षा रजिस्टर्ड है। शहर में एलिवेटेड रोड का काम चलने और ट्रेजरी में जगह कम होने की वजह से राजकीय गुरु गोविंद सिंह स्कूल को अस्थाई स्ट्रोंग रूम बनाया गया है। नकल रोकने और सुरक्षा के लिए 18 सतर्कता दल और 179 पर्यवेक्षक भी तैनात किए गए हैं।कंट्रोल रूम इंचार्ज चन्द्रेश जैन ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बलिचा और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुखेर सबसे दूर स्थित सेंटर हैं। ये दोनों ही केंद्र मुख्य शहर से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर हैं।इनके अलावा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नाई भी शहर से करीब 7 किलोमीटर की दूरी पर है।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

- वॉलीबॉल में डी बी आर बिनोल, रॉयल स्टोन पीपली अहिरान इलेवन स्टार सूरत ने अगले दौर में प्रवेश किया

राजसमंद, (निसं)। निकटवर्ती पीपली आचार्यान में चल रही दाधीच समाज की राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट एवं वॉलीबॉल खेलकूद प्रतियोगता के दूसरे दिन रोचक मुकाबले देखने को मिले। क्रिकेट और वॉलीबॉल में अपना दमखम दिखाते हुए विभिन्न टीमों ने अगले दौर में प्रवेश किया।आयोजन समिति के दिव्यांश आचार्य ने बताया कि दूसरे दिन टीमों में आपसी मुकाबले हुए क्रिकेट में दधीचि दधीचि रॉयल्स कुंवारियां, रॉयल स्टोन पीपली अहिरान, इलेवन स्टार सूरत , टी बी सी जिलीया ने अपने मैच जीतकर सेमी फाइनल में जगह बनाई।वॉलीबॉल में डी बी आर बिनोल, रॉयल स्टोन पीपली अहिरान इलेवन स्टार सूरत ने अगले दौर में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने महर्षि दधीचि जन कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आसोपा , युवा प्रदेश अध्यक्ष विजेश दाधीच आज प्रतियोगिता स्थल पर पधारे और उत्साहवर्धन किया उनके आगमन पर संस्थान के संभाग अध्यक्ष डॉ रामस्वरूप आचार्य, जिला अध्यक्ष डा परमेश्वर आचार्य ने उनका स्वागत सत्कार किया।प्रतियोगिता का समापन समारोह ओर पुरस्कार वितरण पूर्व केंद्रीयमंत्री डॉ सी पी जोशी के मुख्य आतिथ्य में रविवार शाम 4 बजे आयोजित किया जाएगा जिसमें जिला कांठोस अध्यक्षआदित्य प्रताप सिंह चौहान, पूर्व जिला प्रमुख नारायण सिंह भाटी , देवकी नंदन गुर्जर महर्षि दधीचि जन कल्याण संस्थान बजरंग लाल काकडा कार्यालय प्रभारी, नव नारायण दाधीच महासचिव , अखिलेश जोशी निदेशक हिन्दूस्थान जिंक, डॉ किरण आचार्य प्रदेश महिला अध्यक्ष जगदीश जोशी , गोपाल दाधीच नांदसा, डॉ महेश दत्त दाधीच सहित कई पदाधिकारी सहित कई समाज के सदस्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगेर। प्रतियोगिता में राजेश गुर्जर, दारा सिंह, सीता राम अहीर, भावेश सनाढ्य, पूरण दाधीच, राम रतन पालीवाल, सत्य नारायण शर्मा , ख्याली लाल पालीवाल शंभू सिंह हाड़ा, गुंजन कुमावत महेंद्र डिडेल, जितेंद्र भाटी, मुकेश दाधीच ने निर्णायक की भूमिका अदा की।इस अवसर पर डॉ रामस्वरूप आचार्य , विनोद आचार्य,युगल किशोर आचार्य , कैलाश चंद्र आचार्य, लादू लाल आचार्य, नैमिष आचार्य, दीपक आचार्य अंकित आचार्य, प्रकाश जोशी, कैलाश आचार्य , श्याम सुंदर दाधीच , कमलेश आचार्य,मनोहर आचार्य साथी जी, अशोक आचार्य सहित कई समाज जन उपस्थित रहे।

देवास तृतीय बांध से पूर्व निर्मित अकोदडा बांध तक निर्मित होने वाली सुरंग का लिया जायजा

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार बजट घोषणाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के तहत जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता/ सहायक अभियंताओं द्वारा निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जल संसाधन संभाग बांसवाड़ा के मुख्य अभियंता देवी सिंह बेनीवाल ने शनिवार को देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजनाओं के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने कहा कि देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजनाओं के कार्यान्वयन से उदयपुर शहर की दीर्घकालिक पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी। साथ ही पिछोला स्वरूप सागर फतहसागर एवं जन्य झीलों का जलस्तर बनाए रखने में सहायता मिलेगी जिससे पर्यटन पर्यावरण एवं पारिस्थितिक संतुलन को स्थिर रखा जा सकेगा। इस कार्य के अन्तर्गत देवास तृतीय परियोजना के अंतर्गत उदयपुर जिला के गोगुंदा तहसील के नाथियाथल गांव के निकट 703 एमसीएफटी क्षमता का देवास तृतीय बांध का निर्माण करना प्रस्तावित है इसमें 10.50 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण कर देवास द्वितीय आकोदडा बांध में जल अपवर्तन किया जाएगा। पूर्व निर्मित आकोदडा बांध एवं सुरंग से उदयपुर शहर की पिछोला झील में जल अपवर्तन होगा। देवास चतुर्थ परियोजना के अंतर्गत उदयपुर जिले के गोगुंदा तहसील के अंबावा गांव के निकट 390 एमसीएफटी क्षमता का देवास चतुर्थ बांध का निर्माण कर इससे 4.15 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण कर देवास तृतीय बांध से जोड दिया जाएगा।

उदयपुर जिले में देवास परियोजना: देवास तृतीय बांध से पूर्व निर्मित अकोदडा बांध तक निर्मित होने वाली सुरंग के निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए अभियंता एवं अन्य।

निरीक्षण के दौरान कार्यस्थल पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप क्रियान्वयन की तथा परियोजना की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना के अंतर्गत वन भूमि प्रत्यावर्तन हेतु सैद्धांतिक अनुमोदन केंद्र सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरमेंट फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज नई दिल्ली द्वारा आवश्यक शर्तों सहित जारी किया जा चुका है। उक्त अनुमोदन में आरोपित शर्तों की पालना हेतु विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

निजी भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के तहत भूमि अयाप्ति अधिकारी गोगुंदा द्वारा जारी किए गए अवार्ड निर्णय के तहत मुआवजा राशि वितरण का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है।

साथ ही परियोजना से प्रभावित शेष परिवारों हेतु विशेष अनुग्रह राशि का प्रस्ताव वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता द्वारा आदेशित किया गया कि परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर व्यवस्थापन के तहत प्रत्येक परिवार को आवश्यक समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए जिससे कोई भी परिवार किसी भी प्रकार की सुविधा से वंचित न रहे।

सार-समाचार

छात्रों ने कैंसर मुक्त भारत का दिया संदेश

उदयपुर,(कासं)।भीलों का बेदला स्थित पेसिफिक डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी विभाग द्वारा नेशनल ओरल कैंसर अवेयरनेस कार्यक्रम के तहत एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी और समाज में तेजी से बढ़ते मुख कैंसर (ओरल कैंसर) के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके बचाव के तरीकों को साझा करना था। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. शेरिन नदुम्पिलिल और डॉ.जूही सोनी ने बताया कि आई कैन, यू कैन, वी कैन, इंडिया कैन, थीम पर आयोजित इस अवेयरनेस कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से ओरल कैंसर के खतरों, तंबाकू के दुष्प्रभावों और प्रारंभिक जांच के महत्व को चार्ट और रंगों के जरिए बखूबी प्रदर्शित किया। बच्चों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर एक से बढ़कर एक पोस्टर बनाकर अपनी जागरूकता का परिचय दिया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गौरव भारद्वाज ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ओरल कैंसर आज के समय में एक बड़ी चुनौती है, जिसे केवल जागरूकता और सही जीवनशैली से ही हराया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. भारद्वाज ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं और स्टाफ को ओरल कैंसर के प्रति अधिक सजग रहने और समाज को इसके विरुद्ध जागरूक करने का संकल्प दिलाया।

सांवलियाजी सेठ के किए दर्शन

मंडफिया, (निसं)। नव नियुक्त जिला कलक्टर मंजू चौधरी ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात परिवार सहित मंडफिया पहुंचकर भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर पहुंचने पर श्री साँवलिया जी मंदिर मंडल की ओर से जिला कलक्टर का मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने उपरना ओढ़ाकर महाप्रसाद एवं श्री साँवलिया सेठ की छवि भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। जिला कलक्टर चौधरी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर जिले की खुशहाली, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र बताया। इस मौके पर सहायक जिला कलक्टर रवीन्द्र मेघवाल, भदेसर एसडीएम रजनी मीणा, नायब तहसीलदार शिवशंकर पारीक, मंदिर मंडल के द्वितीय प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं मंदिर कर्मचारी उपस्थित थे।

प्राध्यापक आसोलिया का किया सम्मान

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेह, उदयपुर के वाणिज्य विषय के प्राध्यापक गोपाल सिंह आसोलिया ने लगातार दसवीं वर्ष बोर्ड परीक्षा में गुणात्मक दृष्टि से श्रेष्ठ परिणाम देकर शिक्षा क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है।प्राध्यापक आसोलिया के कुशल मार्गदर्शन, अनुशासित कार्यशैली एवं विद्यार्थियों के समठा विकास पर विशेष ध्यान देने के कारण इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके द्वारा केवल परिणाम ही नहीं, बल्कि विषय की गहरी समझ, अवधारणात्मक स्पष्टता एवं नैतिक शिक्षा पर दिया गया जोर विद्यार्थियों की सफलता का मुख्य आधार रहा है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर समाज की ओर से पावन धाम श्री एकलिंग जी में उनका भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिकों ने माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर उन्हें सम्मानित किया तथा उनके कार्य की सराहना की।विद्यालय प्रशासन, स्टाफ एवं अभिभावकों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्राध्यापक आसोलिया का यह निरंतर उत्कृष्ट एवं गुणात्मक परिणाम अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है।विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की है कि वे आगे भी इसी प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देते रहें।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

कपासन, (निसं)। पीएम श्री राजकीय महाराणा उच्च माध्यमिक विद्यालय, कपासन में विधायक अर्जुनलाल जीनगर के मुख्य आतिथ्य व प्रधानाचार्य यशवंत कुमार जागेटीया की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह तथा व्यावसायिक शिक्षा में प्रवेश लेने वाले समस्त विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु निःशुल्क स्कूल बैग वितरित किए गए। विधायक अर्जुन लाल जीनगर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में केवल नौकरी पाने की सोच तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को नौकरी देने वाला बनने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता और कौशल विकास ही देश के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को औपचारिक शिक्षा के साथ राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने का भी आ ान किया। प्रधानाचार्य यशवंत कुमार जागेटिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की पिछले सत्र के समस्त उपलब्धियाँ बताईं तथा आगामी सत्र में विद्यालय द्वारा किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा रखी। इस दौरान विधायक ने विद्यालय में बन रहे संविधान कक्ष तथा व्यावसायिक शिक्षा की प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया। बोर्ड परीक्षा प्रभारी प्राध्यापक अश्विनी कुमार व्यास के अनुसार मेधावी विद्यार्थियों में कृषि संकाय के भावेश शर्मा (96.40), विनोद सरगरा (84.40), नमन झामड़ (83.40) विज्ञान संकाय के सचिन शर्मा (94.20), गार्गी जागेटिया (85.80), सरिता माली (83.00), कला संकाय के जियारानी बंजारा (85.60), काजल खटीक (84.00), हर्षिता शर्मा (83.00), वाणिज्य संकाय के इरम बानू विरिया (88.40), मोहम्मद अराफात (78.60), निशा नीलगर (76.80), कक्षा 10 के पूजा रेगर (70.33), मोहम्मद अरमान को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला

उदयपुर,(कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ युवती को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसारबाबुलाल पुत्र पदमा डामोर नि